हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 10)(अपूर्व अनुभव)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

पाठ से

प्रश्न 1:

यासुकी–चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोत्तो–चान ने अथक प्रयास क्यों किया? लिखिए।

उत्तर 1:

यासुकी चान को पोलियो था इसलिए वह किसी भी पेड़ पर नहीं चढ़ सकता था और दूसरे बच्चों को देखकर वह मन ही मन उदास रहता था। उसके अन्दर आत्मविश्वास को जगाने के लिए और उसका हौंसला बढ़ाने के लिए तोत्तो–चान ने उसे पेड़ पर चढ़ाने का अथक प्रयास किया ।

प्रश्न 2:

दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से सफलता पाने के बाद तोत्तो–चान और यासुकी–चान को अपूर्व अनुभव मिला, इन दोनों के अपूर्व अनुभव कुछ अलग–अलग थे। दोनों में क्या अंतर रहे ? लिखिए।

उत्तर 2:

सफलता पाने के बाद दोनों के अनुभव अलग–अलग थे । एक ओर जहॉ तोत्तो–चान यासुकी–चान को पेड़ पर चढ़ाने के बाद एक विजय की खुशी को अनुभव कर रहीं थी उसे लग रहा था कि उसने एक असंभव कार्य को संभव कर के दिखा दिया है , तो दूसरी ओर यासुकी –चान वह कार्य करके खुश था जिसकी उसने अपने जीवन में कल्पना भी नहीं की थी ।

प्रश्न 3:

पाठ में खोजकर देखिए कब सूरज का ताप यासुकी–चान और तोत्तो–चान पर पड़ रहा था, वे दोनों पसीने से तर–बतर हो रहे थे और कब बादल का एक टुकड़ा उन्हें छाया देकर कड़कती धूप से बचाने लगा था। आपके अनुसार इस प्रकार परिस्थिति के बदलने का कारण क्या हो सकता है ?

उत्तर 3:

यासुकी–चान को जब उसकी मित्र तोत्तो–चान पेड़ पर चढ़ा रही थी तब सूरज की गर्मी के कारण दोनों पसीने से तर–बतर थे । बादल का एक बड़ा टुकड़ा बीच–बीच में छाया करके उन्हें कड़कती धूप से बचा रहा था। उस समय ऐसा लग रहा था कि उनकी मेहनत के आगे ईश्वर भी उन पर मेहरबान है और उनकी सहायता कर रहा है ।

प्रश्न 4:

यासुकी–चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह.....अंतिम मौका था।'इस अधूरे वाक्य को पूरा कीजिए और लिखकर बताइए कि लेखिका ने ऐसा क्यों लिखा होगा?

उत्तर 4:

यासुकी– चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह अंतिम मौका था क्योंकि उसकी मित्र तोत्तो–चान ने किसी को भी बताए बिना उसे पेड़ पर चढ़ाने का जोखिम भरा निर्णय लिया था यदि कोई बड़ा देख लेता तो दोनों की डॉट पड़ती और वे उन्हें ऐसा नहीं करने देते ।

पाठ से आगे

प्रश्न 1:

तोत्तो–चान ने अपनी योजना को बड़ों से इसलिए छिपा लिया कि उसमें जोखिम था, यासुकी–चान के गिर जाने की संभावना थी। फिर भी उसके मन में यासुकी–चान को पेड़ पर चढ़ाने की दृढ़ इच्छा थी। ऐसी दृढ़ इच्छाएँ बुद्धि और कठोर परिश्रम से अवश्य पूरी हो जाती हैं। आप किस तरह की सफलता के लिए तीव्र इच्छा और बुद्धि का उपयोग कर कठोर परिश्रम करना चाहते हैं ?

उत्तर 1:

हम जीवन में अपने लक्ष्य को पाने के लिए तीव्र इच्छा और बुद्धि का उपयोग कर कठोर परिश्रम करना चाहते हैं , क्योकि इसके द्वारा ही जीवन में सफल हुआ जा सकता है यदि जरा सी ठील दी तो जीवन के लक्ष्य को पाना नामुमकिन सा हो जाता है ।

प्रश्न 2:

हम अकसर बहादुरी के बड़े–बड़े कारनामों कके बारे में सुनते रहते हैं, लेकिन 'अपूर्व अनुभव', कहानी एक मामूली बहादुरी और जोखिम की ओर हमारा ध्यान खींचती है। यदि आपको अपने आसपास के संसार में कोई रोमांचकारी अनुभव प्राप्त करना हो तो कैसे प्राप्त करेंगे ?

उत्तर 2:

छात्र स्वयं के रोमांचकारी अनुभवों का वर्णन करेंगे ।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1:

अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो–चान की नजरें नीचे क्यों थीं ?

उत्तर 1:

अपन मॉ से झूठ बोलते समय तोत्तो–चान की नजरें इसलिए नीची थीं क्योंकि उसने बोला था कि वह यासुकी–चान के घर जा रही है जबकि वह उसे पेड़ पर चढ़ाने जा रही थी । यदि उसका झूठ पकड़ा जाता तो उसकी मॉ उसे जाने नहीं देती और उसकी सारी योजना धरी की धरी रह जाती ।

प्रश्न 2:

यासुकी–चान जैसे शारीरिक चुनौतियों से गुजरने वाले व्यक्तियों के लिए चढ़ने–उतरने की सुविधाएँ हर जगह नहीं होतीं। लेकिन कुछ जगहों पर ऐसी सुविधाएँ दिखाई देती हैं। उन सुविधा वाली जगहों की सूची बनाइये।

उत्तर 2:

इस प्रकार के शारीरिक विकलॉग लोगों के लिए सरकार ने स्टेशनों एवं सरकारी अस्पतालों और बहुत सी सार्वजनिक जगहों पर उनकी सुविधा के अनुसार इंतजाम किए हैं जिससे कि उनको कोई परेशानी न हो ।